भासः – प्रतिमानाटकम्

8. नैराश्यं त्यज कुरु कार्यम्

हिंदी अर्थ–

निराशा को छोड़कर काम करो। तुम दिन-रात काम करो। अपने जन्म की सार्थकता को देखकर बाधाओं की चिन्ता मत करो। समर्थ साधनों में समय बिताओ। अपने मन में मधुरता को बनाए रखो। निराशा को छोड़कर काम करो।

सबके घर में और शरीर में सुख हो। सबके मन में क्षमा का वास हो। संसार विपत्तियों को पार करे। तुम दीनता को दूर करो, निराशा को छोड़कर कार्य करो।

सबका मन मधुरगीत गाए। शांति का संगीत फैलाओ। सबके मन में प्रेम हो, ईर्ष्या नष्ट हो। निराशा को छोड़कर कार्य करो।

अभ्यासः

संकलनात्मकं मूल्यांकनम्

1. **गीतस्य सस्वरवाचनं कुरुत–** (गीत का स्वर सहित वाचन कीजिए–)
   बच्चे गीत को कंठस्थ करके उसका सस्वर आरोह-अवरोह के साथ गायन करें।
2. **वाक्यानि पूरयितुम् उचितं विकल्पं चिनुत–** (वाक्य पूरे करने के लिए उचित विकल्प चुनिए–)

   (क) (*iii*) त्यज ✓ (ख) (*i*) कुरु ✓

   (ग) (*ii*) विरचय ✓ (घ) (*iv*) गायतु ✓

   (ङ) (*i*) गास्यामि ✓
3. **एकपदेन उत्तरत–** (एक पद में उत्तर दीजिए–)

   (क) कार्यम् (ख) नैराश्यम् (ग) सुखम्

   (घ) क्षमा (ङ) कातर्यम्
4. **पूर्णवाक्येन उत्तरत–** (पूरे वाक्य में उत्तर दीजिए–)

   (क) विघ्नानां चिन्तां न कुर्यात्। (ख) लोकः विपदं समुत्तरेत्।

   (ग) शान्तैः संगीतं विलसतु। (घ) मात्सर्यम् उच्छिन्नं स्यात्।

   (ङ) नैराश्यं त्यक्त्वा कार्यं कुर्यात्।

5. **पद्यांशान् मेलयत–** (पद्य के अंशों को मिलाइए–)

वीक्ष्य जन्मनः	कालय साध्यकलनाम्
विघ्नानां	विरचय माधुर्यम्
काले	सार्थकताम्
चित्ते	कुरु मा चिन्ताम्

6. **समानार्थकपदानि मञ्जूषातः चित्वा लिखत–** (समान अर्थ वाले शब्द मञ्जूषा से चुनकर लिखिए–)

लोकः –	जगत्	मधुरम् –	मधु
गेहे –	गृहे	विघ्नम् –	बाधाम्
मात्सर्यम् –	ईर्ष्याम्	नैराश्यम् –	निराशताम्
कार्यम् –	कर्मम्	अहः –	दिवसः

7. **प्रश्ननिर्माणं कुरुत–** (प्रश्न बनाइए–)

(क) किम् त्यजेत्? (ख) किं कुर्यात्?

(ग) किं मा कुर्यात्? (घ) गेहे किं भवेत्?

8. **अधोलिखितानि वाक्यानि लोट्लकारे परिवर्तयत–** (नीचे लिखे वाक्यों को लोट्लकार में बदलिए–)

(क) बालाः पठन्तु। (ख) तौ गच्छताम्।

(ग) त्वम् पठ। (घ) युवां खेलतम्।

(ङ) अहं गच्छानि।

9. **अधोलिखितानां क्रियापदानां धातु-लकार-पुरुष-वचनानि च लिखत–** (निम्नलिखित क्रियापदों के धातु, लकार, पुरुष और वचन लिखिए–)

क्रियापदम्	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
कुरु	कृ	लोट्लकारः	मध्यमः	एकवचनम्
वसेत्	वस्	विधिलिङ्लकारः	प्रथमः	एकवचनम्
भवेत्	भू	विधिलिङ्लकारः	प्रथमः	एकवचनम्
त्यज	त्यज्	लोट्लकारः	मध्यमः	एकवचनम्
गमिष्यामि	गम् (गच्छ्)	लृट्लकारः	उत्तमः	एकवचनम्
विलसतु	विलस्	लोट्लकारः	प्रथमः	एकवचनम्

रचनात्मकं मूल्यांकनम्

1. **गीतं सस्वरं गायतु–** (गीत को सस्वर गाइए–)

बच्चे गीत कंठस्थ करके उसे पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।

2. **पदानि योजयित्वा वाक्यानि लिखत–** (पदों को जोड़कर वाक्य लिखिए–)

त्वं पुस्तकं पठ। त्वं उद्याने भ्रम।

त्वं भोजनं खाद। त्वं कथां शृणु।

त्वं दुग्धं पिब।

९. महाराणाप्रतापः (तुमुन् प्रत्ययः)

अभिषेक – पिता जी आज मैंने टेलीविजन पर महाराणा प्रताप इस नाम के धारावाहिक का प्रसारण देखा। क्या वह वास्तव में इतना वीर था?

पिता – अरे महाराणाप्रताप तो अद्भुत साहसी, देशभक्त और वीर थे। उनकी वीरता के प्रसंग तो आज भी प्रसिद्ध हैं।

अभिषेक – मैं भी उनके विषय में जानना चाहता हूँ। कृपया आप बताइए।

पिता – सुनो......

महाराणा प्रताप राजस्थान राज्य में स्थित मेवाड़ के राजा थे। वे बचपन से ही अद्भुत साहसी और वीर थे। वे अनन्य देशभक्त थे। सन् 1576 में हल्दीघाटी नामक स्थान पर उन्होंने मुगल शासक अकबर की सेना के साथ युद्ध किया था। इस युद्ध में प्रताप हार गए थे। प्रताप के प्रसिद्ध घोड़े चेतक ने भी इस युद्ध में प्राण त्याग दिए थे। मेवाड़ के ऊपर अकबर का शासन हो गया था। प्रताप विश्वस्त सैनिकों के साथ महल छोड़कर वन में रहे थे। वन में रहकर वे देश की स्वतंत्रता के लिए प्रयत्नशील थे।

प्रताप अपने सैनिकों के साथ मेवाड़ की स्वतंत्रता के विषय में विचार विमर्श करते थे। उनके पास धन का अभाव था। प्रताप की चिन्ता का मुख्य कारण था–सेना। सेना के लिए धन की आवश्यकता थी। प्रताप के सैनिक भी उनके साथ देश छोड़ने के लिए तैयार थे। तब मेवाड़ के मन्त्री भामाशाह वहाँ आए। भामाशाह प्रताप की ऐसी दशा देखकर दुःखी हुए।

भामाशाह ने देश की रक्षा के लिए सारी सम्पत्ति प्रताप को दे दी। भामाशाह की देशभक्ति देखकर प्रताप आश्चर्यचकित हो गए थे। वहाँ उपस्थित सभी सैनिकों ने भामाशाह की जय-जयकार की।

धन पाकर प्रताप मेवाड़ की स्वतन्त्रता के लिए उत्साहित हो गए। उनके शरीर में नवजीवन का संचार हुआ। उस धन से प्रताप ने पुनः सेना का संगठन किया। पुनः मुगलसेना के साथ युद्ध किया। उस युद्ध में प्रताप विजयी हुए। प्रताप की वीरता से मेवाड़ फिर स्वतंत्र हुआ।

मेवाड़ के राजसिंहासन पर बैठकर प्रताप ने मेवाड़ की शोभा को बढ़ाया और भामाशाह को ईनाम दिया। वहाँ उपस्थित सभी लोगों ने भामाशाह और प्रताप की जय-जयकार की। हमारे इतिहास में महाराणा प्रताप का नाम सदैव स्मरणीय है।

अभ्यासः

2. उचितं विकल्पं चिनुत– (उचित विकल्प चुनिए–)

(क) (*iii*) राजस्थाने ✓

(ख) (*i*) मुगलशासकः ✓

(ग) (*iv*) सप्तमी ✓

(घ) (*ii*) महाराणाप्रतापाय ✓

(ङ) (*i*) क्त्वा ✓

3. एकपदेन उत्तरत– (एक पद में उत्तर दीजिए–)

(क) महाराणाप्रतापः

(ख) अकबरस्य सेनया सह

(ग) चेतकः

(घ) धनस्य

(ङ) भामाशाहः

(च) भामाशाहाय

4. पूर्णवाक्येन उत्तरत– (पूरे वाक्य में उत्तर दीजिए–)

(क) महाराणा प्रतापः अद्‌भुतसाहसी वीरः च आसीत्।

(ख) महाराणा प्रतापः 1576 तमे वर्षे हल्दीघाटीनामकस्थाने अकबरस्य सेनया सह युद्धम् अकरोत्।

(ग) प्रतापः विश्वस्तैः भटैः सह प्रासादं त्यक्त्वा वने अवसत्।

(घ) वने उषित्वा प्रतापः देशस्य स्वतन्त्रतायै प्रयत्नशीलः आसीत्।

(ङ) भामाशाहः देशरक्षायै सर्वां सम्पत्तिं प्रतापाय अयच्छत्।

(च) प्रतापः धनेन पुनः सेनायाः संगठनम् अकरोत्।

5. रञ्जितपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत– (रंगीन पदों के आधार पर प्रश्न बनाइए–)

(क) महाराणाप्रतापः कस्य नृपः आसीत्?

(ख) कः बाल्यादेव अद्‌भुतसाहसी वीरः चासीत्?

(ग) मेवाडोपरि कस्य शासनम् अभवत्?

(घ) कस्य सैनिकाः तेन सह देशं त्यक्तुं तत्पराः आसन्?

6. पर्यायवाचिपदान् चित्वा लिखत– (पर्यायवाची शब्द चुनकर लिखिए–)

देशः	राष्ट्रम्	मातृभूमिः
सैनिकः	सेनानी	भटः
वनम्	काननम्	अरण्यम्
स्वतन्त्रता	स्वाधीनता	अपराधीनता
मन्त्री	सचिवः	अमात्यः
नेत्रम्	लोचनम्	नयनम्

7. विलोमपदानि मेलयत– (विलोम शब्द मिलाइए–)

सम्पत्तिम्	विपत्तिम्
दुःखी	सुखी
पराजितः	विजयी
साहसी	कातरः
वीरः	अशूरः
स्वतन्त्रः	परतन्त्रः

८. अधोलिखितपदानां मूलशब्द-विभक्ति-वचनानि च लिखत– (नीचे लिखे पदों के मूल शब्द, विभक्ति और वचन लिखिए–)

पदम्	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
अस्मिन्	इदम्	सप्तमी	एकवचनम्
मेवाडस्य	मेवाड	षष्ठी	एकवचनम्
स्वतन्त्रतायै	स्वतन्त्रता	चतुर्थी	एकवचनम्
सैनिकैः	सैनिक	तृतीया	बहुवचनम्
प्रतापाय	प्रताप	चतुर्थी	एकवचनम्
शरीरे	शरीर	सप्तमी	एकवचनम्
वीरतया	वीरता	तृतीया	एकवचनम्
जनाः	जन	प्रथमा	बहुवचनम्
सर्वे	सर्व	प्रथमा	बहुवचनम्
अस्माकम्	अस्मद्	षष्ठी	बहुवचनम्

९. अधोलिखितानि वाक्यानि लङ्लकारे परिवर्तयत– (निम्नलिखित वाक्यों को लङ्लकार में बदलिए–)

(क) सः देशभक्तः आसीत्।

(ख) सः अद्भुतसाहसी वीरः च आसीत्।

(ग) सः युद्धे प्राणान् अत्यजत्।

(घ) प्रतापः मेवाडस्य स्वतन्त्रतां प्रति विचारविमर्शम् अकरोत्।

(ङ) भामाशाहः सर्वां सम्पत्तिं प्रतापाय अयच्छत्।